Literacy for a Billion

Movie: Aadmi
Year: 1968

Song: Kal Ke Apne
Lyricist: Shakeel Badayuni

कल के अपने
ना जाने क्यों
हो गए आज पराए

कल के अपने
ना जाने क्यों
हो गए आज पराए

रेत का सागर
प्यार का सपना
प्यासा ही तरसाए

कल के अपने
ना जाने क्यों
हो गए आज पराए

प्यार ने क्या क्या
रंग भरे थे
लिखी थीं दो तक़दीरें

प्यार ने क्या क्या
रंग भरे थे
लिखी थीं दो तक़दीरें

आई जो आँधी
बनकर मिट गई
बादल की तस्वीरें

प्यार का रंग है
जाने कैसा
रंग दाग़ बन जाए

कल के अपने
ना जाने क्यों
हो गए आज पराए

दोष नहीं है तूफ़ानों का
माँझी ही ले डूबे
दीवानापन बनकर रह गए
मन के ये मनसूबे
ताशों का घर
काम न आए
बनते ही गिर जाए

कल के अपने
ना जाने क्यों
हो गए आज पराए

रेत का सागर
प्यार का सपना
प्यासा ही तरसाए

कल के अपने
ना जाने क्यों
हो गए आज पराए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.